अखबार वो जो दिखाता है सच

हिन्दी दैनिक

तेजयुग न्यूज़

स्थापना दिवस 2024

www.tejyug.com

• मंगलवार, 05 मार्च, 2024
• Tuesday, 05 March, 2024

• वर्ष/year : 01 • अंक/issu : 64 • पृष्ठ/page 12 • मूल्य/rate : 3 ₹

हापुड़ से प्रकाशित/ Published From Hapur

UPHIN/2023/51292

सदन में नोट लेकर दिया वोट या भाषण तो चलेगा केस

सुप्रीम कोर्ट का सांसदों को कानूनी छूट से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने 1998 के नरसिम्हा राव के फैसले को पलट दिया

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने वोट के बदले नोट मामले में एक बड़ा फैसला सुनाया है। अब अगर सांसद पैसे लेकर सदन में भाषण या वोट देते हैं तो उनके खिलाफ केस चलाया जा सकेगा। यानी अब उन्हें इस मामले में कानूनी छूट नहीं मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने बड़ा फैसला सुनाते हुए पिछले फैसले को पलट दिया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 1998 के नरसिम्हा राव के फैसले को पलट दिया है। 1998 में 5 जजों की संविधान पीठ ने 3:2 के बहुमत से तय किया था कि इस मुद्दे को लेकर जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को पलटने के चलते अब सांसद या विधायक सदन में मतदान के लिए रिश्वत लेकर मुकदमे की कार्रवाई से नहीं बच सकते हैं।

खत्म हो जाती है ईमानदारी : सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने सहमति से दिए गए अहम फैसले में कहा है कि विधायिका के किसी सदस्य द्वारा किया गया भ्रष्टाचार या

रिश्वतखोरी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को खत्म कर देती है।

सांसदों को छूट से असहमति : सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि हमने विवाद के सभी पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लिया है. क्या सांसदों को इससे छूट मिलनी चाहिए. इस बात से हम असहमत हैं और बहुमत से इसे खारिज करते हैं। नरसिम्हा राव मामले में बहुमत का फैसला, जिससे रिश्वत लेने के लिए अभियोजन को छूट मिलती है। वह सार्वजनिक जीवन पर बड़ा प्रभाव डालता है।

इसलिए खारिज किया फैसला : सीजेआई ने कहा, 'अनुच्छेद 105 के तहत रिश्वतखोरी को छूट नहीं दी गई है, क्योंकि अपराध करने वाले सदस्य वोट डालने से संबंधित नहीं हैं. नरसिम्हा राव के मामले की व्याख्या भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105(2) और 194 के विपरीत है. इसलिए हमने पी नरसिम्हा राव मामले में फैसले को खारिज कर दिया है।'

7 सदस्यीय पीठ ने सुनाया फैसला

बता दें कि 5 सदस्यीय पीठ ने इस केस से जुड़े मसले को व्यापक और जनहित से जुड़ा हुआ मानते हुए 7 सदस्यीय पीठ को सौंप दिया था. तब कहा गया था कि यह मसला राजनीतिक सदाचार से जुड़ा हुआ है. यह भी कहा गया था कि संसद और विधानसभा सदस्यों को छूट का प्रावधान इसलिए दिया गया है, ताकि वे मुक्त वातावरण और बिना किसी परिणाम की चिंता के अपने दायित्व का पालन कर सकें।

किस मुद्दे से जुड़ा है मामला

दरअसल, यह मामला झामुमो के सांसदों के रिश्वत कांड पर आए आदेश से जुड़ा है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट विचार कर रहा था. आरोप था कि सांसदों ने 1993 में नरसिम्हा राव सरकार को समर्थन देने के लिए वोट दिया था. इस मसले पर 1998 में 5 जजों की बेंच ने फैसला सुनाया था. लेकिन अब 25 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले को पलट दिया है. यह मुद्दा दोबारा तब उठा, जब झमुमो की विधायक सीता सोरेन ने अपनने खिलाफ जारी आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की याचिक दाखिल की. उन्होंने कहा कि संविधान में उन्हें अभियोजन से छूट मिली हुई है. दरअसल, सीता सोरेन पर आरोप था कि उन्होंने 2012 के झारखंड राज्यसभा चुनाव में एक खास प्रत्याशी को वोट देने के लिए रिश्वत ली थी।

यूपी : योगी मंत्रिमंडल विस्तार आज

ओमप्रकाश राजभर, दारा सहित तीन मंत्री भी ले सकते हैं शपथ

तेजयुग न्यूज

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 का पहला मंत्रिमंडल विस्तार मंगलवार शाम 5 बजे राजभवन में होगा। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, भाजपा विधायक दारा सिंह चौहान और रालोद के एक से दो विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

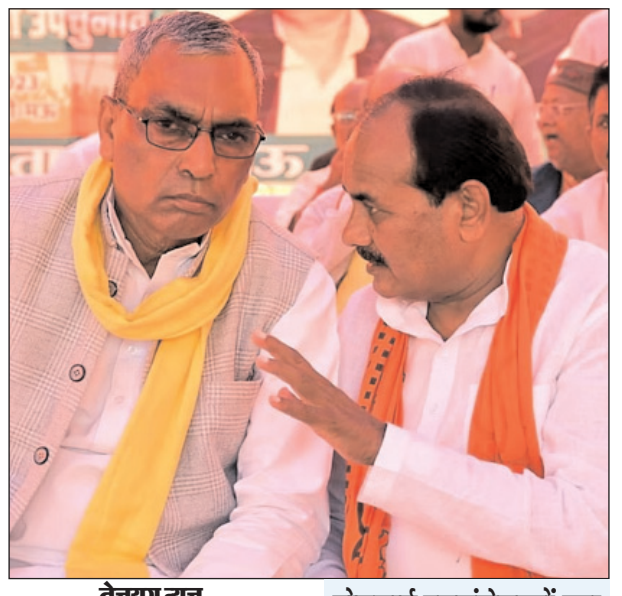

सूत्रों के मुताबिक राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मंगलवार शाम को लखनऊ लौट रही है। उनके लखनऊ लौटने के बाद राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और सरकार के मंत्री मौजूद रहेंगे।

आबकारी विभाग में आएगी एकमुश्त समाधान योजना : आबकारी विभाग अपने बकाये को हासिल करने के लिए एकमुश्त समाधान योजना लाने की तैयारी में है। मंगलवार को कैबिनेट में इसका प्रस्ताव पेश किया जाएगा। बता दें कि आबकारी विभाग का वर्ष 1956 से करीब 43 करोड़ रुपये बकाया है। इनमें कई फुटकर व्यापारी शामिल हैं, जिन्होंने विभाग की बकाया रकम नहीं दी है।

होमगार्ड स्वयंसेवकों का आहार भत्ता चार गुना बढ़ाने का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट में होमगार्ड स्वयंसेवकों का आहार भत्ता चार गुना बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में होमगार्ड स्वयंसेवकों को अंतरजनपदीय आवागमन के दौरान ड्यूटी भत्ते के 30 रुपये भोजन भत्ता मिलता है। बढ़ती महंगाई में यह भत्ता नाकाफी है। इसकी वजह से होमगार्ड विभाग ने इसे बढ़ाकर 120 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा।

पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
22.00°C°C	11.00 °C°C

सूर्यास्त (आज) ›› 17 .10 बजे

सूर्योदय (कल) ›› 06 .25 बजे

नक्सल कमांडर नागेश मुठभेड़ में मारा गया

कांकेर: छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के धुर नक्सल प्रभावित छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के हिदुर के जंगल में कल पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की पहचान हो गयी है। मारा गया नक्सली परतापुर एरिया कमेटी का कमांडर नागेश है, जिसके ऊपर छत्तीसगढ़ पुलिस ने 10 लाख का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस अधीक्षक आईके एलेसेसा ने बताया कि नागेश कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा है और कई जवानों की हत्या में मास्टर माइंड रहा है।

यह पीएम मोदी को बचाने की आखिरी कोशिश : राहुल

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली : चुनावी बॉन्ड को लेकर इन दिनों काफी चर्चाएं हैं। इसी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर भाजपा पर हमलावर हो गए। दरअसल, भारतीय स्टेट बैंक ने सोमवार को चुनावी बॉन्ड विवरण का खुलासा करने के लिए समय बढ़ाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

इसे राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बचाने की आखिरी कोशिश करार दिया है। एसबीआई ने कोर्ट से मांग की कि प्रत्येक चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक का समय दिया जाए। बता दें, पिछले माह ही सर्वोच्च अदालत ने एसबीआई को

निर्देश दिए थे कि छह मार्च तक चुनावी पैनल के समक्ष विवरण प्रस्तुत किए जाएं।

यह न्याय का मजाक : कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना की। उन्होंने एक्स पर कहा कि आप क्रोनोलॉजी समझिए कि पहले चुनाव और फिर चुनावी बॉन्ड का खुलासा। भाजपा को अपने वित्त खजाने के स्रोत का खुलासा करने में इतनी घबराहट क्यों हो रही है? कांग्रेस के अलावा, सीपीएम नेता सीताराम येचुरी ने सोमवार को कहा कि एसबीआई का कदम आशंकाएं पैदा कर रहा है। यह न्याय का मजाक है। उन्होंने एक्स पर कहा कि यह डिजिटल युग है। एक क्लिक पर जारी जानकारी मिलती है। समय की मोहलत मांगना आशांकाएं पैदा करती हैं।

मामला गड़बड़ है

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल ने पोस्ट करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी ने चंदा कारोबार को छिपाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनावी बॉन्ड के बारे में सच जानने का अधिकार पूरे देश के लोगों का है तो फिर एसबीआई क्यों नहीं चाहता कि यह सच चुनाव से पहले सार्वजनिक हो। उनका दावा है कि एक क्लिक में जानकारी प्राप्त की जा सकती है तो किसलिए 30 जून तक का समय मांगा जा रहा है। एसबीआई की यह मांग दर्शाता है कि मामला गड़बड़ है। गांधी का आरोप है कि देश का हर स्वतंत्र संगठन भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए मोदानी परिवार का हिस्सा बन रहा है। यह पीएम मोदी के असली चेहरे को छिपाने की कोशिश है।

तेंदुआ के सर पर अटक गया था बरतन, विभाग ने बचाया

गौशाला में तेंदुआ देख भागी मालकिन

तेजयुग न्यूज

मुंबई: घर की मालकिन ने सुबह पुआल लेने के लिए गौशाला में प्रवेश किया। अचानक उसने सामने पीले और काले रंग की छापदार किसी जानकर को देखा। उन्होंने दोबारा इसे ध्यान से देखा। वह समझ गयी कि यह यह एक तेंदुआ है। घबराहट में वह कमरे से बाहर निकली। बाहर आने के बाद उन्होंने घर के दूसरे लोगों को इसकी जानकारी दी। उसके बाद यह खबर वन कार्यालय में दी गई थी। सूचना पाकर वहां पहुंचे विभाग के लोगों द्वारा तेंदुए को 5 घंटे के बाद बचाया गया था।

यह घटना महाराष्ट्र के धूल जिले के एक गाँव में हुई। यह बताया गया कि तेंदुआ भोजन की तलाश में रात के अंधेरे में गाँव में प्रवेश किया। तेंदुआ एक घर में घूम रहा था। हांडी में सड़े हुए चावल और स्टार्च थे। इसलिए तेंदुए ने महक के आधार पर इसे चखने के लिए इस बरतन के सर

डाला था। बस जैसा होता है वैसा ही हुआ और तेंदुआ का सर इस हांडी के अंदर फंस गया। उसके बाद, वह अपना सिर बाहर नहीं निकाल सका, लेकिन तेंदुआ उस अवस्था में बैठ गया। सुबह, घर के लोग तेंदुए को देखने के लिए घबरा गए। यह खबर वन कार्यालय में दी गई थी। वन कार्यकर्ता आए और कोशिश की और तेंदुए के सिर को घड़ी से बाहर निकालने में सक्षम थे। तेंदुआ बरामद किया गया था। तेंदुआ जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

रेंज वन अधिकारी सबिता सोनवान ने कहा कि यह एक पुरुष तेंदुआ था। तेंदुआ बहुत डर गया था क्योंकि सिर कटोरे में फंस गया था। कर्मचारी वन कार्यालय गए और उन्हें बचाया। तेंदुए को प्राथमिक चिकित्सा के बाद जंगल में छोड़ दिया जाएगा। भारत में, भारत में अनुमानित 5,900 तेंदुए हैं। देश में तेंदुए की संख्या 20 वर्षों के बाद अपेक्षाकृत बढ़ी है। तेंदुए की सबसे अधिक संख्या मध्य प्रदेश (1) में है। महाराष्ट्र (3), कर्नाटक (3) और तमिलनाडु (3) भी तुलना में बढ़ गए हैं। पश्चिम बंगाल, असम और अरुणाचल प्रदेश के संयोजन से इस क्षेत्र में तेंदुए की संख्या में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसरो चीफ सोमनाथ को कैंसर, इंटरव्यू में कन्फर्म किया

आदित्य-एल1 लॉन्चिंग के दिन रूटीन चेकअप के लिए गए थे, तभी स्कैन में पता लगा

तेजयुग न्यूज

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान प्रमुख एस सोमनाथ (60) को कैंसर होने का पता चला है। सोमनाथ ने एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में इस बात को कन्फर्म किया है। सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग (23 अगस्त) के समय से स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशानियां आ रही थीं। हालांकि उस समय कुछ भी क्लियर नहीं था। मुझे भी इसे (कैंसर) लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। इसरो चीफ ने ये भी कहा कि आदित्य-एल1 की लॉन्चिंग (2 सितंबर) के दिन हेल्थ इश्यूज के चलते चेकअप के लिए गया तो स्कैन में पेट में कैंसर कोशिकाओं में ग्रोथ का पता चला। सोमनाथ का ऑपरेशन हो चुका है। कीमोथेरेपी भी हुई। एस सोमनाथ के कार्यकाल में इसरो ने इतिहास रचा। भारतीय अंतरिक्ष संस्थान ने न केवल चांद के साउथ पोल पर सफलतापूर्वक चंद्रयान-3 की लैंडिंग कराई, बल्कि धरती से 15 लाख किमी दूर स्थित लैगरेंज पॉइंट पर सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल1 लॉन्च किया।

परिवार के लिए सदमा, अब ट्रीटमेंट ले रहा हूं- सोमनाथ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब सोमनाथ को बीमारी का पता चला तो चेन्नई में कुछ और टेस्ट कराए। इसके बाद पूरी तरह से कैंसर कन्फर्म हो गया। इसके चलते उनके शरीर में कुछ बदलाव भी दिखने लगे थे। सोमनाथ ने बताया- कैंसर का पता लगना परिवार के लिए शॉकिंग था। फिलहाल बीमारी को समझ रहा हूं और इलाज ले रहा हूं।

लालू ने पूछा था मोदी का परिवार, पीएम ने बताया-पूरा देश मेरा परिवार

मैं भी चोकीदार के बाद अब मोदी परिवार हो रहा ट्वीटर पर ट्रेंड

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मोदी से पूछा था कि उनका परिवार कहां है? उनके कोई संतान क्यों नहीं है। इस पर तगड़ा पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में सोमवार को कहा कि इन्हें बताना चाहता हूं कि मेरा देश, 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। मैं जब भी परिवारवाद की राजनीति की बात करता हूं, तो विपक्ष के लोग कहते हैं कि मोदी का तो कोई परिवार ही नहीं है। उन्होंने कहा कि देशवासियों के लिए बचपन में घर छोड़ा था, इन्हीं के लिए जीवन खपा दूंगा। पीएम की स्पीच के कुछ देर बाद भाजपा नेताओं ने अपने ट्वीटर प्रोफाइल पर नाम के आगे मोदी का परिवार लिखना शुरू कर दिया। अमित शाह, जेपी नड्डा, स्मृति ईरानी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान और किरेन रिजिजू जैसे बड़े नेताओं ने प्रोफाइल नेम चेंज कर दिया।

एक दिन पहले लालू ने ये कहा था

पटना में 3 मार्च को महागठबंधन की रैली में लालू यादव ने कहा था- पीएम मोदी आजकल परिवारवाद पर हमला करते हैं। मैं पूछता हूं कि तुम बताओ कि तुम्हारी कोई संतान क्यों नहीं हुई। आगे राजद सुप्रीमो ने कहा कि उनके पास परिवार ही नहीं है। वो हिंदू नहीं है। हिंदू अपनी मां के श्राद्ध में दाढ़ी-बाल बनवाता है। पीएम की माता जी का जब देहांत हुआ तो उन्होंने बाल-दाढ़ी क्यों नहीं बनवाया।

मोदी ने देश के लिए खुद को समर्पित किया: त्रिवेदी

बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पूरा देश उनका परिवार है। जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, वह सीमा पर सैनिकों के साथ दिवाली मनाते हैं। वे उनका परिवार हैं। जब उन्होंने अपने देश के लिए खुद को समर्पित करने के लिए अपने परिवार को छोड़ा, उसी क्षण उन्होंने प्रतिज्ञा की, पूरा देश उनका परिवार है। एक परिवार ने राजनीति में आने के लिए देश को विभाजित किया और आज, वे उन लोगों के साथ खड़े हैं जो भारत को विभाजित करना चाहते हैं ताकि उन्हें देश के कम से कम एक हिस्से पर शासन करने का मौका मिल सके।

भाजपा ध्यान भटकाओ अभियान पर

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा आत्महत्या करने वालों के परिवारों के लिए चिंतित क्यों नहीं हैं, चाहे वे युवा हों या किसान हों। यह मुद्दों से भटकाने के लिए है। भाजपा को इनकी चिंता होती तो अपने नाम के आगे किसान परिवार जोड़ते। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि आप 3 मार्च को पटना में जनता के बीच उत्साह देख सकते हैं। हर दिन यूपीए अलायंस बढ़ रहा है, इसलिए बीजेपी वाले परेशान हैं। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि यह मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए है। मुख्य मुद्दे महंगाई, पेपर लीक और बेरोजगारी हैं। भाजपा ध्यान भटकाओ अभियान चला रही है।

मोदी पांच साल प्रचार करते रहे, देश किसके भरोसे चल रहा है पता ही नहीं : गहलोत

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरे पांच साल तक सिर्फ प्रचार में व्यस्त रहे। ये देश किसके भरोसे चल रहा है पता नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के अहम और घमंड की अति हो गई है। बीजेपी ने ऐसा माहौल बना दिया, जैसे हम राम भक्त नहीं हैं। पूरा देश सदियों से राम भक्त है। पहले ये हिंदु-मुस्लिम के नाम पर लोगों को बांटते थे, अब तो ये हिंदुओं और राम भक्तों को ही बांटने में लग गए हैं। हिंदुओं और राम भक्तों को दो हिस्सों में बांटना उचित है क्या? उन्होंने कहा- जो आपकी पार्टी में है वो राम भक्त हैं। जो आपकी पार्टी में नहीं हैं। वह राम भक्त नहीं हैं। सर्टिफिकेट आप दे रहे हो, यह कहां की समझदारी है?

गहलोत ने दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए कहा कि आप होते कौन हो यह कहने वाले कि आप राम भक्त हो कि नहीं। आपको यह लाइसेंस किसने दिया कि आप कहो कि राम भक्त नहीं हो। हर गांव में हनुमान जी, राम और शिवजी के मंदिर बने हुए हैं। सब लोग आस्था रखते हैं। गहलोत ने कहा- मैं जब गुजरात का प्रभारी था। उस समय भी मोदी जी ने पानी पर जहाज उतारा था। अब ये रामेश्वरम, द्वारका जाकर पानी में डाइव लगा रहे हैं। ये तमाम बातें धार्मिक कम हैं। इनका चुनावी एंगल ज्यादा है। जनता को मैसेज देने और चुनाव जीतने की कोशिश है। देश इसे इसी रूप में समझ भी रहा है। देश समझ रहा है, हद हो गई है।

ये जीत गए तो आगे चुनाव होंगे या नहीं-उन्होंने कहा- पर्चियों से सीएम बना दिए, लेकिन उनके संविधान में जो लिखा है। उसके हिसाब से काम करना होता है। जो अधिकार हैं, उनके हिसाब से काम तो करने दीजिए। आप सीएम को हटा सकते हैं। सीएम मंत्री को हटा सकता है। लेकिन संविधान में जो शपथ ली है। उसके हिसाब से काम तो करने दीजिए। एक नई तानाशाही प्रवृति सामने आ रही है। इसलिए लोग कहने लगे हैं कि ये चुनाव जीत गए तो आगे चुनाव होंगे भी या नहीं। सबको भुगतना पड़ेगा, यह समझने की जरूरत है।

राजस्थान में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करेगी-गहलोत ने कहा- इस देश की जनता समझदार है। इंदिरा गांधी चुनाव हार गईं थी, कानों कान खबर नहीं लगी पता ही नहीं चला। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में फीलगुड हो रहा था। इंडिया शाइनिंग का नारा दिया, लेकिन जनता ने उन्हें हरा दिया। कल क्या होगा यह कोई नहीं कह सकता, वक्त बताएगा। राहुल गांधी की यात्रा को शानदार रेस्पोंस मिल रहा है।

नई सोच में हार्डवेयर में बदलाव की आवश्यकता नहीं

कंप्यूटर की प्रोसेसिंग की गति दोगुना होगी

तेजयुग न्यूज

रांची: कंप्यूटर की जगत में लगातार परिवर्तन होता जा रहा है। पहली पीढ़ी के कंप्यूटरों में जो चीजें थी, वे आज के दौर में बेकार हो चुकी हैं। यहां तक कि इस दौर के अनेक साफ्टवेयर पुराने कंप्यूटरों पर चल भी नहीं पायेंगे क्योंकि उनके काम करने की आवश्यक शक्ति पुराने कंप्यूटरों में नहीं थी। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए कंप्यूटर और उसके उपकरणों में लगातार बदलाव किये गये हैं। इसका असली मकसद तेज काम करना है। जिन्हें पता है, वे जानते होंगे कि पहली पीढ़ी के कंप्यूटरों में

किसी एनिमेशन की फाइल बनाने में दस घंटे तक लग जाते थे। आज के दौर में वह चंद सेकंड में बन जाती है। लेकिन इस बारे में भी एक सुखद खबर आयी है। कंप्यूटर प्रोसेसिंग गति को दोगुना करने के लिए विधि की पहचान की गई है। इन उपकरणों में पहले से मौजूद हार्डवेयर का उपयोग करके अपने स्मार्टफोन, टैबलेट, पर्सनल कंप्यूटर या सर्वर की प्रोसेसिंग पावर को दोगुना करने की सोच है।

इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के यूसी रिवरसाइड एसोसिएट प्रोफेसर हंग-वेई त्सेंग ने हाल ही में एक साथ और विषम मल्टीथ्रेडिंग शीर्षक वाले एक पेपर में ऐसा करने के लिए कंप्यूटर आर्किटेक्चर में एक आदर्श बदलाव की रूपरेखा तैयार की है। हालाँकि, त्सेंग का पेपर चेतावनी देता है कि अन्य मुद्दों के अलावा सिस्टम कार्यान्वयन, हार्डवेयर समर्थन, कोड अनुकूलन और किस प्रकार के अनुप्रयोगों से सबसे अधिक लाभ होता है, के बारे में कई सवालों के जवाब देने के लिए आगे की जांच की आवश्यकता है।